

प्रेषक,

एम0सी0 उपप्रेती,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
यूजेवीएन लि0,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 04 जून, 2013।

विषय:- वित्तीय वर्ष 2013-14 की प्रथम एवं द्वितीय तिमाही में ए0डी0बी0 वित्त पोषित परियोजनाओं में पूंजीगत व्यय हेतु रू0 34.71 करोड़ की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 682/ए-17,(13-14) दिनांक 08.04.2013 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ए0डी0बी0 सहायित जल विद्युत परियोजनाओं कालीगंगा-प्रथम, कालीगंगा-द्वितीय, काल्दी गाड, मध्यमहेश्वर, सोबला-प्रथम, उरगम-द्वितीय एवं तांकुल के निर्माण हेतु अंशपूजी एवं ऋण के रूप में रू0 34.71 करोड़ (रू0 चौतीस करोड़ इक्कत्तर लाख मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय करने के लिए आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(रूपये करोड़ में)

क्रमांक संख्या	परियोजना का नाम	अंशपूजी के रूप में धन राशि	ऋण के रूप में धनराशि	कुल धनराशि
1.	कालीगंगा-प्रथम	—	0.99	0.99
2.	कालीगंगा-द्वितीय	3.00	5.31	8.31
3.	काल्दी गाड	4.50	2.55	7.05
4.	मध्यमहेश्वर	8.00	5.86	13.86
5.	सोबला-प्रथम	3.25	0.59	3.84
6.	उरगम-द्वितीय	0.33	—	0.33
7.	तांकुल	0.33	—	0.33
	योग	19.41	15.30	34.71

- उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण बिलों पर जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही किया जायेगा तथा धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में किया जायेगा।
- अवमुक्त की जा रही धनराशि का किसी भी स्थिति में अन्यत्र विचलन न किया जाय। स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जाय, साथ ही स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष यदि किसी कारण से कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2014 तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- स्वीकृत की जा रही धनराशि से सम्पादित कराये जाने वाले कार्यों के विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय, तदोपरान्त ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- उक्त धनराशि का उपभोग दिनांक 31.03.2014 तक कर इसके प्रतिपूर्ति दावे तत्काल ए0डी0बी0 को प्रस्तुत कर दिये जायें तथा ए0डी0बी0 से धनराशि की प्रतिपूर्ति कराये जाने की प्रभावी कार्यवाही की जाय। धनराशि का योजनावार उपभोग प्रमाण पत्र एवं भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण शासन को

उपलब्ध कराया जाय। ए0डी0बी0 से प्राप्त ऋण की किश्तों का आहरण निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समय से करा लिया जाय तथा योजनाओं का क्रियान्वयन भी निर्धारित समय में पूर्ण किया जाय। परियोजनावार शासन से अब तक अवमुक्त करायी गई धनराशि के सापेक्ष भारत सरकार को प्रस्तुत किये जा चुके प्रतिपूर्ति दावों की धनराशि की प्रगति शीघ्र प्राप्त करा ली जाय तथा शेष धनराशि के दावे भी समय से प्रेषित कर दिये जाय।

- (v) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।
 - (vi) व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, अधिप्राप्ति नियमों एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा।
 - (vii) योजनाओं हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि व वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि योजना हेतु कुल स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही रहेगी।
 - (viii) अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष शीघ्र ही ए0डी0बी0 से प्रतिपूर्ति प्राप्त कर ली जाय। ऋण अंश के अन्तर्गत पूर्व में तथा वर्तमान आदेश से अवमुक्त की गई/की जा रही धनराशि के सापेक्ष मूलधन एवं ब्याज की वापसी इस सबध में भारत सरकार द्वारा सूचित/परियोजना हेतु निर्धारित दरों एवं समय सारिणी के अनुसार की जायेगी।
 - (ix) अग्रेत्तर धनावटन का प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय परियोजनावार अनुमोदित लागत, टेण्डर उपरान्त कुल न्यूनतम लागत राशि, लागत के सापेक्ष वित्त पोषण स्रोतवार धनराशि, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, कुल प्रतिपूर्ति हेतु अंशपूजी, कुल दावों की धनराशि तथा इन दावों के सापेक्ष भारत सरकार से प्राप्त कुल धनराशि के विवरण प्रस्तुत किये जायेंगे।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 21,30 एवं 31 में संलग्न विवरणानुसार डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 38/XXVII(2)/2013, दिनांक 31 मई 2013 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक :- यथोपरि

भवदीय,

(एम0सी0 उप्रेती)
अपर सचिव।

संख्या: 1089/1(2)/2013-04(3)/39/06, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को उपरोक्त वर्णित संलग्न सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- महालेखाकार, आडिट इन्दिरा, नगर देहरादून।
- 3- सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 4- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्थ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 7- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- प्रभारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 10- गार्ड फाईल हेतु।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)
उप सचिव।

क्र० स०	अनुदान संख्या	लेखाशीर्षक	धनराशि
1	21	4801-बिजली परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय 01-जल विद्युत उत्पादन 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97- वाह्य सहायतित योजना 9701- ए०डी०बी० वित्त पोषित परियोजनाओं हेतु 30- निवेश/ऋण	1817.00
2	21	6801-बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज 01- जल विद्युत उत्पादन 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97- वाह्य सहायतित योजना 9701- जल विद्युत परियोजनाओं हेतु वाह्य सहायता(ए०डी०बी०) 30- निवेश/ऋण	926.00
3	30	4801-बिजली परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय 01-जल विद्युत उत्पादन 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97- वाह्य सहायतित योजना 9701- ए०डी०बी० वित्त पोषित परियोजनाओं हेतु 30- निवेश/ऋण	124.00
4	30	6801-बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज 01- जल विद्युत उत्पादन 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97- वाह्य सहायतित योजना 9701- जल विद्युत परियोजनाओं हेतु वाह्य सहायता(ए०डी०बी०) 30- निवेश/ऋण	500.00
5	31	6801-बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज 01- जल विद्युत उत्पादन 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97- वाह्य सहायतित 9701- जल विद्युत परियोजनाओं हेतु वाह्य सहायता (ए०डी०बी०) से प्राप्त 30- निवेश/ऋण	104.00
कुल योग			3471.00

(रु० चौतीस करोड़ इकहत्तर लाख मात्र)

(संजीव कुमार शर्मा)
उप सचिव।